पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

लोग दरअसल सफल बनने की कोशिश करते हैं, परन्तु हमारा मानना है कि एक सफल व्यक्ति बनने से अच्छा है कि हम एक मूल्यों से युक्त इंसान बनें, जो हमारे आपके लिए एक सफलतम व्यक्ति का एक उदाहरण हो सकता है। तब मन की शक्ति का इस्तेमाल सहज होगा...

मन की शक्ति का हम अपने दैनिक जीवन में प्रयोग कर निरन्तर आगे बढ़ सकते हैं। ये हमें हर परिस्थिति में स्थिर, शांत और अनासक्त और फिर स्नेहशील और दयालु बनाता है। आज दुनिया में सबकुछ व्यस्त सा है। व्यस्त लोग न काफी काम करते हैं, बल्कि वे काफी सोचते भी हैं। कई बार तो ऐसा लगता है, मन यदि इतना पॉवरफुल है तो उसका सही इस्तेमाल होना चाहिए। हमारा अनुभव कहता है कि व्यस्त लोग, अपने मन में ज़्यादा व्यस्त रहते हैं। बाहर की व्यस्त स्थिति तो मात्र एक दिखावा है। आप सोचो, कितनी खुद की इज्जत की यह बात होनी चाहिए, कि क्या मन कभी थक सकता है? हाँ या ना! मुझे तो लगता है ना! खुद के मानसिक थकाव का बहाना अपने सत्य स्वरूप के खिलाफ होने का चिन्ह है। जब हम अपने मन की दुनिया को ध्यान से देखें तो पायेंगे कि हम जम्प कर रहे हैं।

हम एक विश्वास से दूसरे विश्वास, एक तस्वीर से दूसरी तस्वीर में कूदते रहते हैं। अपनी ना कर पाने की क्षमता के कारण, अथवा डर के कारण हम अपने मन में कार्यों की सूची घुमाते रहते हैं। एक काम से दूसरे काम में भटकते रहते हैं, ना कि कार्य करते हैं। आप देखो, मन तो शांत है, ना कि अशांत, लेकिन कोई भी काम आपकी शांति को भंग कर रहा

है, अर्थात् आप थकते जा रहे हैं। यही है खुद की शक्तियों को व्यर्थ गंवाना। कार्य तो हो ही जायेगा। लेकिन कार्य शांतिपूर्वक होगा, तभी तो काम को लोग सराहेंगे। इसी कारण से आज हम अपनी स्मरण शक्ति को व्यर्थ गंवाते ही जा रहे हैं। हमारी चिंतन की शक्ति भी नष्ट होती रहती है। आपको संज्ञात हो कि हमारा अनादि स्वरूप, जिसे हम सम्पूर्णता के साथ जोड़ते हैं। वह जब इन विचारों में फँस कर अपनी ऊर्जा नष्ट करता है तो सोचो आपका कितना घाटा हो जाता होगा। हमारी आत्मा की विशालता की तुलना में विचार, संकल्प अथवा दृश्य काफी नगण्य हैं। इतने शक्तिशाली होने के बावजूद भी हम वही कर रहे हैं, जो नहीं करना है।

हमारी व्यस्ततम जीवन में हमारी आँखें तो बाहरी वस्तुओं को ही देखती हैं ना! ये हमारी आदत में ही शुमार है। इतने सालों से देख-देख के हम इतने थक गए हैं कि कुछ भी बाहर देखने का मन नहीं करता है। अनुकूलन के नियम अनुसार जैसा बाहर है, वैसा अंदर भी है। जैसे बाहर का आकाश, वैसे ही अंदर का अवकाश अर्थात् गहरी शांति, खुशी, प्रेम, आनन्द व शक्ति बैठी हुई है। वो इतनी विशाल व पुष्ट है कि आप कुछ भी कर सकते हैं। आप जिस दिन यह महसूस करेंगे उस दिन आप अपनी विशालता को महसूस कर पायेंगे। एक बार करो तो सही! छोटी-छोटी बातों ने अपने विचारों से आपको परेशान कर आपकी शक्तियों को नष्ट कर दिया है। उदासी, निराशा, हताशा, जीवन में सब आ गया है। तो खोल मन को और निहारें खुद को।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-13 (2018-2019)

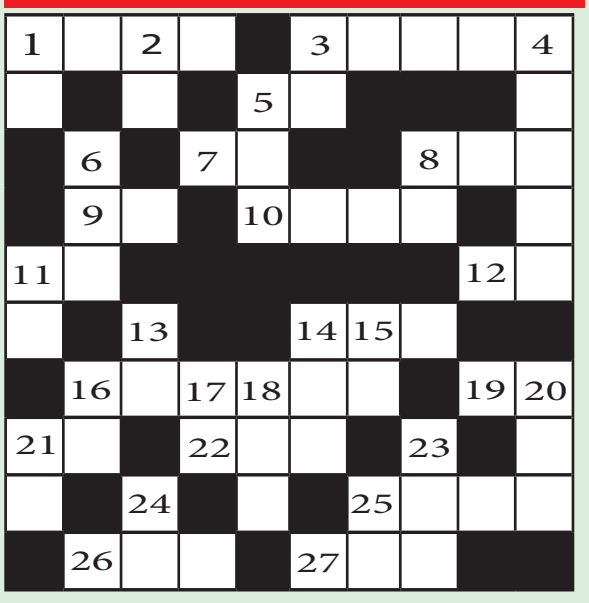

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

1. चांद, चंद्रमा, दान-शुल्क (2)
2. गणेश का भोग (2)
3. हाथ, कर (2)
4. महाब्राह्मण,....को पुराना सामान दे दिया जाता है (5)
5. न जानने वाला,अज्ञात, नमाज से पूर्व का बुलावा (3)
6. पुत्र, लड़का, संतान (3)
8. विजय, सफलता, कामयाबी (2)
11. खुदगर्ज़, स्वार्थ की सिद्धि चाहने वाला (2)
13. नष्ट, समाप्त, खत्म (2)
14. मुसीबत, समस्या, विपदा (3)
15. भलाई, कल्याण, उपकार (2)
16. प्रसन्नता, हर्ष (2)
17. खैरियत, कुशल (2)
18. राजा, नृपति, भूपति (3)
20. नगर, राज्य (3)
21. भगवान,अल्लाह, मुश्किलों से कह दो मेरा....बड़ा है (2)
23. दवा, औषधि (3)
24. सौतेला, जुड़ा हुआ (2)
25. खिदमत, परिचर्या (2)

बायें से दायें

1. अस्थिरता, चपलता, शरारत (4)
3. हमजिंस, अपने जैसा (5)
5. छिपना, लुप्त, गायब होना (2)
7. राज्य करने वाला (2)
8. जीवन कहानी (3)
9. फायदा, कमाई, जमा (2)
10. अदा, नखरा, चोचला (4)
11. जायका, रसना (2)
12. मुख्य तत्व, धारणा के लिए मुख्य.... (2)
14. धीरे, मंद गति से (3)
16. हाल, समाचार (2-4)
19. समझ,....योग, धारणा, सेवा (2)
21. सेवा का प्रत्यक्ष फल, आनन्द (2)
22. चांदी, उज्जवल (3)
25. सेवा करने वाला (4)
26. लगन, शादी के पहले की एक रस्म (3)
27. दामाद, जमाता (3)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन।

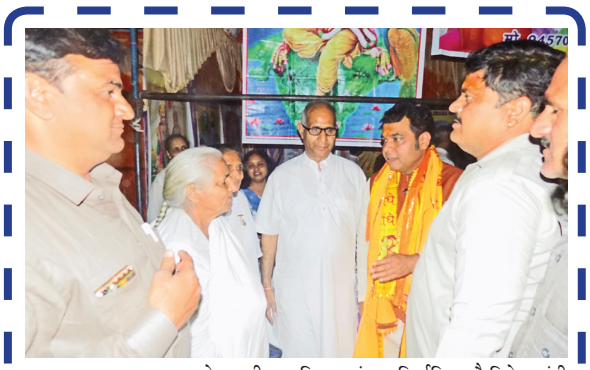

मथुरा-उ.प्र.। भाजपा के राट्रीय सचिव एवं नवनिर्वाचित कैबिनेट मंत्री श्रीकांत शर्मा को बधाई देते हुए ब्र.कु.कुसुम। साथ हैं अन्य भाई बहनें।

दिल्ली-मोहम्मदपुर। शिवरात्रि पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए बायें से ई.आई. मालेकर,हाई प्रीस्ट एवं सेक्रेट्री,जुदाह हयाम सायनागोग, फैज़ल खान,राष्ट्रीय संयोजक,खुदाई खिदमतगार, सरदार गुरमीत सिंह,पथी,अर्जुन नगर गुरूद्वारा, ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. कंचन बहन, ब्र.कु. क्षीरा बहन, फादर मारियो,पैरिश प्रीस्ट,सेंट थोमस चर्च, रवि देव गुप्ता,प्रेसीडेंट,आर्य समाज मंदिर, विकास अरोड़ा,डायरेक्टर,इस्कॉन व ब्र.कु. भगत।

नई दिल्ली। गांधी पीस फाउंडेशन ऑडिटोरियम में सर्व भाषा ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'सर्व भाषा साहित्य उत्सव' में डोगरी एंड हिंदी राइटर, ट्रांसलेटर, जर्नलिस्ट, कल्चरल एक्टीविस्ट यशपाल निर्मल,जम्मू और फेमस हिंदी एंड डोगरी पोएट केवल कुमार,जम्मू को 'सर्वभाषा सम्मान अवॉर्ड' से सम्मानित करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. अशोक लव तथा ट्रस्ट के चीफ एडीटर केशव मोहन पाण्डेय।

आगरा-उ.प्र.। पालीवाल पार्क में होली मिलन समारोह में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करने के पश्चात् भाजपा अध्यक्ष श्याम भदौरिया को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए सबज़ोन इंचार्ज ब्र.कु. शीला। साथ हैं ब्र.कु. मधु, ब्र.कु. माला तथा ब्र.कु. विनय।

मथुरा-उ.प्र.। खोंगबीर जी,ई.डी.,आई.ओ.सी.एल. मथुरा एवं उनकी धर्मपत्नी को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. कृष्णा। साथ हैं ब्र.कु. मनोज व अन्य।

रूरा-उ.प्र.। शिवरात्रि पर ध्वजारोहण के पश्चात् प्रतिज्ञा कराते हुए ब्र.कु. प्रीति। प्रतिज्ञा करते हुए ब्र.कु. प्रेम, ब्र.कु. प्रियंका, ब्र.कु. सुमन, भूमि सुधार निगम के मैनेजर संजय गुप्ता तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।